कुंभ मेला 2025 के लिये डिजिटल टिकट बुकिंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रेलवे ने कुंभ मेला 2025 से पहले **यात्रियों के लिये टिकट बुकिंग को डिजिटल बनाने हेतु स्वयंसेवकों के लिये QR स्कैनर युक्त जैकेट पेश किये हैं।**

मुख्य बिंदु

- **अधिकारियों की तैनाती:**
  - प्रयागराज मंडल के उत्तर मध्य रेलवे **के अधिकारी** पीछे **QR कोड लगे फ्लोरोसेंट हरे रंग के जैकेट पहनेंगे।**
    - **भक्तजन अनारक्षित टिकट प्रणाली (UTS) मोबाइल ऐप तक पहुँचने** के लिये QR कोड को स्कैन कर सकते हैं।
  - यह ऐप यात्रियों को लंबी कतारों से बचाकर **डिजिटल रूप से अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा देता है।**
  - इस आयोजन के दौरान रेलवे **10,000 से अधिक नियमित ट्रेनें** और 3,000 से अधिक **विशेष ट्रेनें** चलाएगा।
- **महाकुंभ रेल सेवा 2025 ऐप:**
  - रेलवे ने ट्रेनों की समय-सारिणी, गेस्ट हाउस की जानकारी, हेल्पलाइन नंबर आदि जानकारी देने के लिये **एक ऐप और पोर्टल लॉन्च किया है।**
  - 1.3 लाख श्रद्धालुओं की क्षमता वाले 28 अतिथि गृहों में आगंतुकों के लिये व्यवस्था की जाएगी।
  - 1 नवंबर, 2024 से एक **टोल-फ्री नंबर 1800-4199-139 सक्रिय हो गया है।**
    - 1 जनवरी, 2025 से यह **हेल्पलाइन 24x7 संचालित होगी, जिसमें** ओडिया, तमिल, तेलुगु, मराठी और बंगाली में कुशल बहुभाषी कॉल ऑपरेटर होंगे।
  - रेलवे की घोषणाएँ हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, ओडिया, पंजाबी और असमिया सहित **12 भाषाओं में की जाएँगी।**

कुंभ मेला

- **परिचय:**
- यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है, अर्थात्-
- **हरिद्वार में, गंगा** के तट पर।
- **उज्जैन में, शिप्रा** के तट पर।
- **नासिक में, गोदावरी** (दक्षिण गंगा) के तट पर।
- **प्रयागराज** में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर।
- **कुंभ के विभिन्न प्रकार:**
- कुंभ **मेला 12 वर्षों में 4 बार** मनाया जाता है।
- **हरिद्वार और प्रयागराज** में, **अर्द्ध-कुंभ मेला हर छठे वर्ष** आयोजित किया जाता है।
- महाकुंभ **मेला** 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
- **प्रयागराज में हर साल माघ (जनवरी-फरवरी)** महीने में **माघ कुंभ** मनाया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/digital-ticket-booking-for-kumbh-mela-2025